



# माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय <b>Hindi</b>	विषय कोड <b>4 0 1</b>	परीक्षा का माध्यम <b>English</b>
---------------------------------	--------------------------	-------------------------------------

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में

1	3	5	3	4	9	2	7	7	-
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

शब्दों में

one	three	five	three	four	nine	two	seven	seven	-
-----	-------	------	-------	------	------	-----	-------	-------	---

नीचे दिये गये ध्वनि अनुसार देल नम्बर भरें

1	1	2	1	2	1	2	1	2	1
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रश्न पत्र का सेट **A**

क :- परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक **41**

ख :- परीक्षा का दिनांक **01 03 2023**

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

**HIGH SCHOOL EXAMINATION Year - 2023**

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर : केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

**Dimple Bhopale** **Ke. N. Deshmukh**

**Dimple** **केन्द्राध्यक्ष**

**C. No. 532322**

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टि एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएँ।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा : परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

**S.K.DESHMUKH**  
**V.NO.- 30623**

**S.K.DESHMUKH**  
**V.No.-3952**

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टि

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्त अंक
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

MP All Job Update Send Whatsapp Message 7247520304 (एहले वंकर newsjobmp.com के नाम से सेट करें फिर आपने जिले का नाम लिखकर क्वेट्रेशन पर भेजेक होके)

2



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 1 के उत्तर

(i) (अ) भ्रूषण ✓

(ii) (स) विनय पत्रिका ✓

(iii) (द) वात्सल्य ✓

(iv) (द) कुबीर ✓

B (v) (ब) शीतिवाचक ✓

S (vi) (स) भ्रूमृत का ✓  
F

प्रश्न क्रमांक 2 के उत्तर

(i) वल्लभाचार्य ✓

(ii) 16 ✓

(iii) 2 ✓

(iv) मोतीलाल ✓

(v) 3 ✓

(vi) कुंचन जंघा ✓

MP All Job Update Send Whatsapp Message 7247520304 (एकले संबर newsjobmp.com के नाम से सेफ करें फिर आपले किले का नाम लिखकर काटवपप पर भेजक होजे)



3

योग पूरा



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 3 के उत्तर

(क)

(ख)

(i) कामायनी

जयशंकर प्रसाद

(ii) मानवी क्रियाओं का आरोप

मानवीकरण

(iii) गद्य की प्रमुख विधाएँ

निबंध

(iv) लखनवी अंदोलन

यशपाल

(v) अंधों की लठी

एक मात्र सहारा

में क्यों लिखता हूँ

अज्ञेय

प्रश्न क्रमांक 4 के उत्तर

(i) केशों से [ कल धुँधरले बलों से ]

(ii) चार [ विश्वास, अनुभाव, स्थायीभाव, संचारी भाव ]

(iii) रेखाचित्र, च संस्मरण, यात्रा वृत्तान्त

(iv) छः [ अव्ययीभाव, कर्मधारय, तत्पुरुष, द्वंद, द्विगु, बहुव्रीहि ]

MP All Job Update Send Whatsapp Message 7247520304



प्रश्न क्र.

- (v) आवश्यक वस्तु को कुमी
- (vi) [किसी वस्तु के लालच में अनेक लोगों द्वारा बर्तन करना]  
(आवश्यक वस्तु की कुमी)
- (vii) 500 [पाँच सौ]

प्रश्न क्रमांक 5 के उत्तर

B  
S  
E

- (i) सत्य ✓
- (ii) असत्य ✓
- (iii) सत्य ✓
- (iv) सत्य ✓
- (v) असत्य ✓
- (vi) असत्य ✓

प्रश्न क्रमांक 6 का उत्तर (अथवा)

- रीतिकाल की विशेषताएँ / प्रवृत्तियाँ -
- i. लक्षण ग्रंथों की रचनाएँ की गई हैं।
  - ii. मुक्तक काव्य रचनाएँ भी हुई हैं।
  - iii. ब्रजभाषा में रचनाएँ की गई हैं।

MP All Job Update Send Whatsapp Message 7247520304  
एहले संबर् newsjobmp.com के नाम से सेव करें फिर आपले जिले का नाम लिखकर बदरुपण पर भेजेक भेजे



प्रश्न क्र.

### प्रश्न क्रमांक 7 का उत्तर

सूरदास -

i. दो रचनाएँ : सूरसाबगर, सूर सारावली, साहित्य लहरी

ii. भावपक्ष : सूरदास जी की रचनाओं में उनके श्रीकृष्ण के प्रति अनन्य प्रेम मिलता है। उन्होंने श्रीकृष्ण की भक्ति साख्य भाव से की है। उनकी रचनाओं में वात्सल्य की प्रधानता मिलती है। वात्सल्य का कोई सा भी पक्ष उनसे अछूता नहीं है। गोपियों का प्रेम और विरह आकर्षक है।

### प्रश्न क्रमांक 8 का उत्तर

कवि जयशंकर प्रसाद आत्मकथा लिखने से बचना चाह रहे हैं क्योंकि उनका जीवन कष्टों से भरा हुआ है वह उन कष्टों की पीड़ा अब शांत हो गई है। वे लिखकर इन पीड़ाओं को सुरेदना नहीं चाहते हैं। वे अपने जीवन को खाले गाबर की तरह रिक्त मानते हैं। वे मानते हैं कि उनके जीवन में ऐसा कुछ भी नहीं है जिसे लिखा जा सके। इसके अलावा वे कहते हैं कि वे आत्मकथा लिखकर कम अपना उपहास नहीं कराना चाहते हैं। इसी कारणों से वे आत्मकथा लिखने से बचना चाहते हैं।



प्रश्न क्र.

### प्रश्न क्रमांक 9 का उत्तर

कवि निराला बादलों को बारज-बारज कर बसने के लिए कहता है। वह कहता है कि बादलों की बारजना से मनुष्य के मन में उत्साह, उमंग तथा उत्तमता का भाव जागृत होगा। वे बादलों को क्रांति लाने में सक्षम मानते हैं। बादल मनुष्य में क्रांति तथा चेतना का संचार करेगा। इसी चेतनापूर्ण जागरूकता, उत्साह और क्रांति का ध्यान में रखकर ही कविता का शीर्षक उत्साह रखा गया है। जो अत्यंत सार्थक है।

E

### प्रश्न क्रमांक 10 का उत्तर [अथवा]

शृंगार रस - काल्य में जहाँ नायक-नायिका का वर्णन होता है वहाँ शृंगार रस होता है। जब रति नामक स्थायीभाव रस का विभाव, अनुभाव, संचारीभाव से संयोग होता है तब वहाँ शृंगार रस होता है।

उदा. राम को रूप निहारती जानकी कुंजन के नग की परछाई।  
याने सब सुधि कुछ गई ~~कूटकी~~ रही पल तरत नाहीं ॥

यहाँ राम और सीता के प्रेम का वर्णन होने के कारण शृंगार रस है।



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 11 का उत्तर [अथवा]

अन्योक्ति अलंकार - जहाँ प्रस्तुत के माध्यम से अप्रस्तुत का अर्थ ध्वनित हो अर्थात् जहाँ बातें प्रत्यक्ष रूप से न कहकर अप्रत्यक्ष रूप से कही जाती हैं वही अन्योक्ति अलंकार होता है।

माली आवत देखकर, कलियन करि पुकारि।  
फूल - फूल चुन लिए, कन्हि हमरि बारि ॥

प्रश्न क्रमांक 12 का उत्तर

कहानी और उपन्यास में अंतर

कहानी	उपन्यास
i. कहानी में पात्रों की संख्या सीमित होती है।	i. उपन्यास में पात्रों की संख्या अधिक होती है।
ii. कहानी के कथावस्तु में घनत्व होता है।	ii. कहानी के उपन्यास का कथावस्तु विस्तृत होता है।
iii. कहानी को एक बैठक में भी पढ़ा जा सकता है।	iii. उपन्यास को पढ़ने में कई दिन, हफ्ते लगा जाते हैं।
उदा. प्रेमचंद - बूढ़ी काकी	ii. उदा. प्रेमचंद - गोदान



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 13 का उत्तर

यशपाल -

i. दो रचनाएँ - ज्ञानदान, तर्क का तूफान, झूठा-सच।

ii. भाषा शैली - यशपाल जीकी भाषा शुद्ध साहित्यिक भाषा है जिसमें तात्पर्य तद्भव शब्द का उपयोग हुआ है। कुहीं-कुहीं उर्दू के शब्दों का प्रयोग भी हुआ है। भाषा की सजीवता तथा स्वाभाविकता उनकी व्यक्तिगत विशेषता है। उन्होंने कुहीं-कुहीं व्यंग्य का प्रयोग भी किया है। उनकी रचनाओं में आम आदमी के संस्कारों की उपस्थिति है।

प्रश्न क्रमांक 14 का उत्तर [अथवा]

भटियारखाना का शाब्दिक अर्थ है - (i) जहाँ हमेशा भट्टी जलती रहे और (ii) जहाँ शोर-गुल हो। लेखिका के पिता का मानना था कि भटियारखाने में लड़कियों की प्रतिभा और क्षमता शोर-गुल में तथा जल कुर नष्ट हो जाती है। पाक-कला और आस्वादन में ही उनका जीवन नष्ट होता है। उनकी स क्षमता और प्रतिभा का सही उपयोग नहीं हो पाता। इसलिए इसलिये लेखिका के पिता रसोई घर को भटियारखाना कहकर संबोधित कर रहे हैं।



### प्रश्न क्रमांक 15 का उत्तर

राहनाई की दुनिया में डुमराँव को याद किया जाता है। इसका कारण यह है कि यहाँ पर बिस्मिल्लाह खाँ यानी अमीरुद्दीन का जन्म हुआ। राहनाई को बजाने के लिए शीश का प्रयोग किया जाता है जो अंदर से पोली होती है। यह शीश एक प्रकार की नरकट घास से बनाई जाती है जो प्रायः सोन नदी के तट पर पाई जाती है। इसके अलावा बिस्मिल्लाह खाँ के परदादा सलार हुसैन खाँ भी यहीं निवासी रहे हैं। वन्ही कारणों से राहनाई की जेया में डुमराँव को याद किया जाता है।

### प्रश्न क्रमांक 16 का उत्तर

i. खून-पसीना एक करना - [कई कठिन श्रम करना]

वाक्य :- राजू के पिता ने खून-पसीना एक कर उसके लिए घर बनवाया है।

ii. झट्टा दाल न गलना - [कार्य न होना]

वाक्य :- # राम ने सच का पता लगाने के लिए अनेक प्रयास किये किंतु उसकी दाल नहीं गली।



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 17 का उत्तर [अथवा]

लेखक के अनुसार उस समास समाचार - पत्रों के माध्यम से हिरोशिमा में हुए अणु बम विस्फोट की जानकारी थी। जब उसे वहाँ जाने का मौका मिला तो वह वहाँ के अस्पताल में गया जहाँ अणु विस्फोट से प्रभावित लोग दर्द में तड़प रहे थे परंतु तब भी लेखक की अनुभूति नहीं हुई। एक दिन उसे ही रास्त पर चलते चलते हुए उन्होंने एक जखा हुआ पत्थर देखा जिस पर लंबी उजली छाया अंकित अंकित थी - विस्फोट के समय पर वहाँ कोई खड़ा रहा होगा जब अणु बम फटा तो उसकी छिरणें आस-पास से आगे निकल गई होंगी और पत्थर को झुलसा दिया होगा जो मानव उसके सामने आया होगा उसमें यह छिरणें रुद्ध हो गई होंगी और उस भाप बना दिया होगा। इस तरह जो समूची कथा पत्थर पर थी वह लेखक के सामने घटित हो गई। इस तरह लेखक हिरोशिमा के विस्फोट का मोक्ता बन गया।

B  
S  
E



प्रश्न क्रमांक 18 का उत्तर

हमारे हरि चकुरी।

संदर्भ: यह पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक 'क्षितिज भाग-२' के 'सूर के पद' से ली गई है जो लिए गए लिया गया है जो कि 'सूरसागर' के 'भ्रमरगीत' में संकलित है। इसके कवि सूरदास जी हैं।

प्रसंग: इस पद्यांश के माध्यम से गोपियों ने श्री कृष्ण के प्रति अपना एकनिष्ठ प्रेम दिखाया है। वे योग की तुलना कुकुड़ी-कुकुड़ी के सम्मान बताती हैं जिसे खाया नहीं जाता।

व्याख्या: इस पद्यांश में गोपियों श्री कृष्ण के प्रति अपना प्रेम उजागर करते हुए उन्हें हरिश्च की लकड़ी के समान बताती हैं। जिसे उन्होंने मन-कम-वचन से पकड़ा हुआ है। वे कहती हैं कि उनके मन में श्री कृष्ण बस गए हैं। वे जागते हुए, सोते हुए, सपने में, दिन में, रात में केवल उन्हीं का नाम जपा करती हैं। अ उन्हें श्री कृष्ण के की तुलना में योग कुकुड़ी-कुकुड़ी के समान त्यज्य लगता है। वे उध्व से स्पष्ट कहती हैं कि तुम हमारे लिए कैसा रोग ले आए हो, हम इसे कैसे अपना सकते हैं क्योंकि इसके बारे में हमने न सुना, न देखा है। यह योग संदेरा तो केवल उन लोगों को स्वीकार हो सकता है जिन्हें उनके मन चकुरी की तरह घुमते हैं।





प्रश्न क्र.

- i. गोपियों के प्रेम की एकमिष्टता प्रकट हुई है।
- ii. अनुप्रास, पुनरुक्ति प्रकृष्टा अलंकार है।
- iii. बुद्ध साहित्यिक ब्रज भाषा है।

प्रश्न क्रमांक 19 का उत्तर

मूर्ति संगमरमर

प्रयास था।

B  
S  
E

यह गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक 'क्षितिज भाग - 2' के पाठ 'नेताजी का चरमा' से लिया गया है। इसके लेखक स्वयं प्रकृत हैं।

प्रसंग - इस गद्यांश में लेखक ने मूर्ति की बनावट तथा उसके बाह्य स्वरूप का चित्रण किया है।

व्याख्या - लेखक, बताने हैं कि मूर्ति संगमरमर की थी। वे इस कम बात को आगे बढ़ाकर कहते हैं कि वह मूर्ति ज्यादा बड़ी न थी लोपी की नाक से कट के दूसरे बटन तक दो फुट की थी। ऐसी मूर्त मूर्ति को बस्ट कहा जाता है। वह मूर्ति सुंदर थी। वह मूर्ति नेताजी सुभाष चंद्र बोस की थी वे सुंदर लगा रहे थे। जो कि फौजी वर्दी में थे। उस मूर्ति को देखकर व्यक्ति के मानस पटल पर उनके सुप्रसिद्ध नारा की गूँज सुनाई देने लगती है।

MP All Job Update Send Whatsapp Message 7247520304 (एकले वंकर newsjobmp.com के नाम से सेंड करें फिर आपने जिसे का नाम लिखकर क्वेट्रेशन पर मैसेज करें)



लोको में स्वाधीनता की चेतना जमाने के हिसाब से यह एक सराहनीय प्रयास था।

- विशेष
- i. शुद्ध साहित्यिक भाषा है।
  - ii. तत्सम और तद्भव शब्दों का उचित समावेश है।
  - iii. 'बस्त' जैसे अंग्रेजी शब्दों का प्रयोग भी है।

प्रश्न क्रमांक 20 का उत्तर [अथवा]

बढ़ती महंगाई के संबंध में ग्राहक और बिराना दुकान के मालिक के मध्य संवाद -

- ग्राहक - और सठ! एक किलो चीनी का भाव कितना है।
- मालिक - 150 रु प्रति किलो।
- ग्राहक - (चोंककर) अरे! अभी कुछ समय पहले तक 90 रु प्रति किलो।
- मालिक - अब क्या करें भाई आजकल महंगाई ही इतनी बढ़ती जा रही है इसमें हमारा क्या दोष है?
- ग्राहक - हाँ सठ! यह बात तो तुम्हारी सही है पर इतनी महंगाई में तो संरक्षण बहुत बढ़िन होगा।



प्रश्न क्र.

• मालिक - अरे भाई तुम अपना तो छोड़ा गरीब लोगों के लिए तो अब पेट भरना डे भी लाले हैं।

• ग्राहक - अब ल्हारे लुथ में कुछ है भी तो नहीं जिससे मटंगाई पर रोक लगाई जा सके।

• मालिक - हाँ अब तो सरकार ही कर सकती है जो इस बढ़ती धर मटंगाई पर नियंत्रण।

• ग्राहक - चलो भाई। यह लो 75 रु और आधा किलो चीनी ही दे दो।

प्रश्न क्रमांक 21 के उत्तर

आशा का उचित शीर्षक 'निराशावदीनही' आशावादी बनो' है।

अब लक्ष्य बहुत दूर होता है, लक्ष्य प्राप्ति प्राप्ति पर संशय होता है। अनेक प्रयास असफल होने के बाद ही निराशा का भाव जावृत होता है।

न में आशा का भाव बनाए रखना चाहिए जोकि आशा ही हमें विपरीत परिस्थितियों में लक्ष्य प्राप्ति में सक्षम बनाती है।



प्रश्न क्रमांक २२ का उत्तर

सेवा में,

अध्यक्ष महोदय,  
नगर पालिका निगम,  
इंदौर [म.प्र.]

विषय - मोहल्ले की नियमित सफाई के संबंध में

मान्यवर,

सविनय निवेदन है कि मैं नहरू नगर क्षेत्र का रहवासी हूँ। आज इंदौर भारत का स्वच्छतम शहर बन चुका है परंतु हमारे क्षेत्र में अभी स्वच्छता से जुड़ी अनेक समस्याएँ हैं। यहाँ नियमित सफाई नहीं होती। सड़क पर तीन-तीन दिनतक कचरा पड़ा रहता है। नाली में न होने के कारण पानी सड़कों पर ष आने लगता है। कचरा गाड़ी भी नियमित नहीं आती है। अतः आशा करना है कि महोदय आप इस विषय में चिंतन कार्यवाही करेंगे।

धन्यवाद।

01/03/2023

प्रार्थी  
अ.ब.स.



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक २३ का उत्तर

1. पर्यावरण प्रदूषण

- सुपरखा -
1. प्रस्तावना
  2. पर्यावरण प्रदूषण से अभिप्राय
  3. प्रदूषण के प्रकार
  4. प्रदूषण निराकरण
  5. उपसंहार

**B  
S  
E**

1. प्रस्तावना - आज विश्व में प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। आज का मानव आमीद - प्रमीद तथा भोग विलास में व्यस्त है। अपनी सुख सुविधाओं की वृद्धि की सन्नद में वह प्राकृतिक संपदाओं का निरंतर दहन करता हुआ चला आ रहा है। वृक्ष काटे जा रहे हैं, हरियाली नष्ट नष्ट की जा रही है और यही कारण है कि आज मानव शुद्ध हवा के लिए भी तड़प रहा है। आज आकषा विषाक्त तथा जल जानलेवा बन गया है।

2. पर्यावरण प्रदूषण से अभिप्राय - सामान्य रूप से वं सम्पूर्ण कारण जो भौतिक, रसायनिक एवं जैविक रूप से धरती में हानिकारक परिवर्तन लाते हैं मानव स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाते हैं प्रदूषण के मुख्य कारण हैं। जब नदी, नालब, पहाड़,



प्रश्न क्र.

वृक्ष आदि तत्वों की भौतिक तथा वास्तविक स्थिति में परिवर्तन आता है तब प्रदूषण जन्म लेता है।

3. प्रदूषण के प्रकार - प्रदूषण के मुख्यतः 3 प्रकार होते हैं - (क) जल प्रदूषण

(ख) वायु प्रदूषण

(ग) भूमि प्रदूषण

(क) जल प्रदूषण - जल प्रदूषण से अभिप्राय जल में होने वाले प्रदूषण से है। इसका मुख्य कारण कारखानों तथा रासायनिक प्रयोगशालाओं से निकलने वाला रसायन है। जल से अनेक रोग भी संक्रमित होने लगे हैं।

(ख) वायु प्रदूषण - कारखानों तथा बड़े वाहनों से स्वरस धूँट धुआँ निकला करता है। यह धुआँ मानव स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है तथा कहीं जगह अम्ल वर्षा का कारण भी होता है।

(ग) भूमि प्रदूषण - रासायनिक खादों तथा प्लास्टिक के कारण जब भूमि प्रदूषित होती है तब उसे भूमि प्रदूषण कहते हैं।

4. प्रदूषण निराकरण - समय की मंती आवश्यकता है कि प्रदूषणकारी तत्वों पर अंकुश लगाया जाए। इसके लिए भारत सरकार द्वारा जल संरक्षण अधिनियम पहले ही लागू किया जा चुका है।





प्रश्न क्र.

जिसके कुत्तों को रखाना के स्वामियों से यह शर्त रखी गई कि वे अपने कारखानों से निकलने वाले कुत्तों का उचित प्रबंध करेंगे। हमें प्रदूषण को रोकने के लिए ज्यादा से ज्यादा वृक्षों का रोपण करना चाहिए तथा उनका बच्चों की तरह पालन करना चाहिए।

5. असंहर - प्रदूषण की समस्या राष्ट्र विश्व की न होकर संपूर्ण विश्व की समस्या है। इस निपटने के लिए संपूर्ण विश्व को एकजुट होकर प्रयास करना होगा। इसके प्रदूषण का मूल कारण उद्योगों का विकास है इसीलिए इसे रोकने का जल्द से जल्द कोई सोचना होगा।



अपने व्हाट्सएप नंबर पर  
मध्यप्रदेश की  
स्कूल, कॉलेज, सरकारी एवं  
प्राइवेट नौकरियों की  
जानकारी प्राप्त करने के  
लिए **+917247520304** दिए  
गए व्हाट्सएप नंबर पर  
व्हाट्सएप में **MP** लिखकर  
भेजें

(पहले नंबर newsjobmp.com के नाम से सेव करें फिर आपने जिले का नाम लिखकर

व्हाट्सएप पर मैसेज भेजें )

[www.newsjobmp.com](http://www.newsjobmp.com)